Name of course : BA (Prog.) DSC

Semester : III

Scheme/Mode of Examination : CBCS (Admission of 2019)

Name of Paper : Principles of Maroeconomics-I

UPC/Subject code : 62274301

Duration : 3 Hours

Note: Answer may be written either in English or in Hindi, but the same medium should be used throughout the paper.

टिप्पणी : इस प्रश्न पत्र का उत्तर अंग्रेजी या हिन्दी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।

Attempt any four questions; (किन्हीं चार प्रश्नों का उत्तर दीजिए)

All questions carry equal Marks. (सभी प्रश्न समान अंक के हैं)

Q1. (i) What is macroeconomics? How does it differ from microeconomics?

(ii) Present the circular flow explication to show the linkage among households, firms and government

Q2. (i) Explain the expenditure approach to measuring gross domestic product (GDP). What adjustments are required to calculate net national product (NNP) from GDP.

munotes.in

Scanned with CamScanner

(ii) Discuss the following concepts:

(a) Underground Economy,

(b) GDP - Deflator.

Q.3 (i) A two sector economy has a total income of Rs. 150 billion and marginal propensity to consume (MPC) is 66.67%. How much does this economy needed to invest once for all to increase it total income by 100%?

(ii) What are the main determinants of aggregate consumption? Explain.

Q.4 (i) You are given the following information about an economy:

$C = 100 + 0.8Y$

$I =$ Rs. 50 crore

(a) What is the level of saving in equilibrium?

(b) If, for some reason, output were at the level of Rs. 800 crore, what would the level of unplanned inventory accumulation be?

munotes.in

Scanned with CamScanner

(ii) What is the paradox of thrift? Does the paradox of thrift always hold?

Q.5. (i) Explain why real GDP increases when both taxes and government purchases increase by the same amount.

(ii) Explain the relationship between market interest rate and bond values.

Q.6 (i) Prove that the open economy multiplier is the reciprocal of the sum of marginal propensity to save (MPS) and marginal propensity to import (MPM).

(ii) Explain how the creation of credit by commercial banks can have multiplier effect on money supply in the economy.

munotes.in

Scanned with CamScanner

Set-I

Name of Course : BA(Prog.) DSC

Semester : III

Scheme/Mode of Examination : CBCS (Admission of 2019)

Name of Paper : Principles of Macroeconomics-I

UPC/Subject Code : 62274301

Duration : 3 Hours

Q 1. (i) समष्टि अर्थशास्त्र क्या है? यह व्यष्टि अर्थशास्त्र से किस प्रकार भिन्न होता है?

(ii) हाऊसहॉल्ड्स (घरेलू), फर्मों और सरकार के बीच सम्बन्ध को दर्शाने के लिए स्पष्टिकरण प्रस्तुत कीजिए।

Q 2. (i) सकल घरेलू उत्पाद (GDP) को मापने के व्यय-दृष्टिकोण का वर्णन कीजिए। सकल घरेलू उत्पाद से विशुद्ध राष्ट्रीय उत्पाद की गणना करने के लिए क्या समायोजन आवश्यक है।

(ii) निम्नलिखित अवधारणाओं की चर्चा करें:

(अ) भूमिगत अर्थव्यवस्था

(ब) सकल घरेलू उत्पाद-अवस्फीतिकारक

Q 3. (i) द्वि-क्षेत्रीय अर्थव्यवस्था की कुल आय 150 मिलियन है तथा उपभोग की सीमान्त प्रवृत्ति 66.67% है। इस अर्थव्यवस्था को कुल आय में 100% वृद्धि के लिए एक बार निवेश करने की कितना आवश्यकता है?

Scanned with CamScanner

(ii) समग्र उपभोग के मुख्य निर्धारक क्या है? वर्णन कीजिए।

Q4. (i) एक अर्थव्यवस्था के बारे में आप को निम्न सूचनाएं दी गई हैं;

$$C = 100 + 0.8Y$$

$$I = \text{Rs. } 50 \text{ करोड}$$

(अ) संतुलन में बचत का स्तर क्या है?

(ब) यदि, किसी कारण से, उत्पादन रुपये 800 करोड के स्तर पर था तो अनियोजित इनवेंट्री संचय का स्तर क्या होगा?

(ii) बचत का विरोधाभाष क्या है? क्या बचत का विरोधाभाष हमेशा होता है?

Q5 (i) बताइए कि जब समान मात्रा से करों और सरकारी खरीदों दोनो में वृद्धि होती है तो वास्तविक सकल घरेलू उत्पाद क्यों बढता है।

(ii) बाजार ब्याज दर तथा बॉण्ड मूल्यों के मध्य सम्बन्ध का वर्णन कीजिए

Q6. (i) सिद्ध कीजिए कि खुली अर्थव्यवस्था गुणक उपभोग की सीमान्त प्रवृत्ति तथा आयात की सीमान्त प्रवृत्ति के योग के व्युत्क्रम होता है।

(ii) एक अर्थव्यवस्था में वाणिज्यिक बैंकों के द्वारा साख के सृजन की प्रक्रिया का मुद्रा की पूर्ति पर गुणक प्रभाव का स्पष्टीकरण कीजिए।

munotes.in

Scanned with CamScanner